



एन सी ई आर टी
NCERT

NCERT

National Council Of Educational Research
And Training

NCERT Solutions for 8th Class Hindi: Chapter 9-कबीर की साखियाँ



IndCareer
Schools



indCareer



indCareer



indCareer

NCERT Solutions for 8th Class Hindi: Chapter 9-कबीर की साखियाँ

Class 8: Hindi Chapter 9 solutions. Complete Class 8 Hindi Chapter 9 Notes.

NCERT Solutions for 8th Class Hindi: Chapter 9-कबीर की साखियाँ

NCERT 8th Hindi Chapter 9, class 8 Hindi Chapter 9 solutions

पृष्ठ संख्या: 49

प्रश्न अभ्यास

पाठ से

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-chapter-9-kabir-ki-sakhiyaan/>

1. 'तलवार का महत्व होता है, म्यान का नहीं' - उक्त उदाहरण से कबीर क्या कहना चाहता है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर

'तलवार का महत्व होता है, म्यान का नहीं' से कबीर यह कहना चाहते हैं कि असली चीज़ कद्र की जानी चाहिए। दिखावटी वस्तु का कोई महत्व नहीं होता है। इश्वर का भी स्वाभाविक ज्ञान ज़रूरी है। ढोंग-आडम्बर तो म्यान के समान निरर्थक हैं। असली ब्रह्म को पहचानो और उसी को स्वीकारो।

2. पाठ की तीसरी साखी- जिसकी एक पंक्ति है 'मनवा तो चहुँ दिसि फिरै, यह तो सुमिरन नाहि' के द्वारा कबीर क्या कहना चाहते हैं?

उत्तर

इस साखी के द्वारा कबीर केवल माला फेरकर इश्वर की उपासना करने को ढोंग बताते हैं। माला फेरने और मुँह से राम-राम जाप करना व्यर्थ है। इश्वर उपासना के लिए मन की एकाग्रता आवश्यक है। इसके बिना इश्वर स्मरण नहीं किया जा सकता।

उत्तर

3. कबीर घास की निंदा करने से मना करते हैं। कबीर के दोहे में 'घास' का विशेष अर्थ क्या है और कबीर के उक्त दोहे संदेश क्या है?

कबीर अपने दोहे में उस घास तक की निंदा करने से मना करते हैं जो हमारे पैरों के तले होती है। कबीर के दोहे में 'घास' का विशेष अर्थ है। यहाँ घास दबे-कुचले व्यक्तियों की प्रतीक है। इन लोगों को तुच्छ मानकर निंदा की जाती है, जबकि ऐसा करना सर्वथा अनुचित है। कबीर के दोहे का संदेश यही है कि किसी की निंदा मत करो, विशेषकर छोटे लोगों की। व्यक्ति या प्राणी चाहे वह जितना भी छोटा हो उसे तुच्छ समझकर उसकी निंदा नहीं करनी चाहिए।

4. मनुष्य के व्यवहार में ही दूसरों को विरोधी बना लेने वाले दोष होते हैं। यह भावार्थ किस दोहे से व्यक्त होता है?

उत्तर

"जग में बैरी कोइ नहीं, जो मन सीतल होय।

या आपा को डारि दे, दया करै सब कोय।।

NCERT 8th Hindi Chapter 9, class 8 Hindi Chapter 9 solutions

पाठ से आगे

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-chapter-9-kabir-ki-sakhiyan/>

1. "या आपा को आपा खोय।" इन दो पंक्तियों में 'आपा' को छोड़ देने की बात की गई है। 'आपा' किस अर्थ में प्रयुक्त हुआ है? क्या 'आपा' स्वार्थ के निकट का अर्थ देता है या घमंड का?

उत्तर

'आपा' अहंकार के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है। 'आपा' घमंड का अर्थ देता है।

2. आपके विचार में आपा और आत्मविश्वास में तथा आपा और उत्साह में क्या कोई अंतर हो सकता है? स्पष्ट करें।

उत्तर

आपा और आत्मविश्वास :- आपा का अर्थ अहंकार होता है और अहंकारवश ही व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास की भावना बढ़कर अति आत्मविश्वास बन जाता है।

आपा और उत्साह :- आपा का अर्थ घमंड होता है और उत्साह का अर्थ किसी कार्य को करने की खुशी या इच्छा से है। जोश से काम में जुट जाना।

3. सभी मनुष्य एक ही प्रकार से देखते-सुनते हैं पर एकसमान विचार नहीं रखते। सभी अपनी-अपनी मनोवृत्तियों के अनुसार कार्य करते हैं। पाठ में आई कबीर की किस साखी से उपर्युक्त पंक्तियों के भाव मिलते हैं, एकसमान होने के लिए आवश्यक क्या है? लिखिए।

उत्तर

"आवत गारी एक है, उलटत होइ अनेक। कह कबीर नहिं उलटिए, वही एक की एक।।"

मनुष्य के एक समान होने के लिए सबकी सोच का एक समान होना आवश्यक है।

4. कबीर के दोहों को साखी क्यों कहा जाता है?

उत्तर

कबीर के दोहों को साखी इसलिए कहा जाता है क्योंकि इनमें श्रोता को गवाह बनाकर साक्षात् ज्ञान दिया गया है।

NCERT 8th Hindi Chapter 9, class 8 Hindi Chapter 9 solutions

पृष्ठ संख्या: 50

• बोलचाल की क्षेत्रीय विशेषताओं के कारण शब्दों के उच्चारण में परिवर्तन होता है जैसे वाणी शब्द बानी बन जाता है। मन से मनवा, मनुवा आदि हो जाता है। उच्चारण के परिवर्तन से वर्तनी भी बदल जाती है। नीचे कुछ शब्द दिए जा रहे हैं उनका वह रूप लिखिए जिससे आपका परिचय हो।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-chapter-9-kabir-ki-sakhiya-an/>

ग्यान, जीभि, पाउँ, तलि, आँखि, बरी।

उत्तर

- (i) ग्यान ज्ञान
- (ii) जीभि जीभ
- (iii) पाँउ पाँव
- (iv) तलि तले
- (v) आँ आँख
खि
- (vi) बैरी वैरी

NCERT 8th Hindi Chapter 9, class 8 Hindi Chapter 9 solutions



<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-chapter-9-kabir-ki-sakhiya-an/>

Chapterwise NCERT Solutions for Class 8 Hindi Vasant :

- Chapter 1 ध्वनि
- Chapter 2 लाख की चूड़ियाँ
- Chapter 3 बस की यात्रा
- Chapter 4 दीवानों की हस्ती
- Chapter 5 चिट्ठियों की अनूठी दुनिया
- Chapter 6 भगवान के डाकिये
- Chapter 7 क्या निराश हुआ जाए
- Chapter 8 यह सबसे कठिन समय नहीं
- Chapter 9 कबीर की साखियाँ
- Chapter 10 कामचोर
- Chapter 11 जब सिनेमा ने बोलना सीखा
- Chapter 12 सुदामा चरित
- Chapter 13 जहाँ पहिया हैं
- Chapter 14 अकबरी लोटा
- Chapter 15 सूरदास के पद
- Chapter 16 पानी की कहानी
- Chapter 17 बाज और साँप
- Chapter 18 टोपी

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-chapter-9-kabir-ki-sakhiyan/>

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc. Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices; collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education. In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education. Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. [Visit the Official NCERT website](https://www.ncert.nic.in/) to learn more.

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-8th-class-hindi-chapter-9-kabir-ki-sakhiya-an/>